16. वाक्य-विचार

व्याकरण शास्त्र का तीसरा मुख्य अंग है– वाक्य विचार। इसके अंतर्गत वाक्यों की रचना पर विचार किया जाता है। वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं और शब्दों के सार्थक क्रम से वाक्यों को निर्माण होता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों को समझाएँ कि वह शब्द समूह जो एक निश्चित अर्थ प्रकट करता है, वाक्य कहलाता है। वाक्य कई शब्दों के योग से बनता है।
- ❖ बताएँ, वाक्य में जुड़कर शब्द 'पद' कहलाता है। स्वतंत्र रूप से प्रयोग होने पर वह 'शब्द' कहलाता है।
- ❖ वाक्य की परिभाषा याद करवाकर सुनें।
- ❖ वाक्य के दो अंग उद्देश्य और विधेय के बारे में बताएँ।
- ❖ ब्लैकबोर्ड पर वाक्य लिखकर उसमें उद्देश्य और विधेय बताएँ।
- ❖ छात्रों को वाक्य भेदों से परिचित कराएँ।
- ❖ समझाएँ, रचना के आधार पर और अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद किए जाते हैं।
- ❖ पृष्ठ 106-107 पर दिए सभी भेदों को उदाहरण सहित समझाएँ।
- ❖ वाक्य बोलकर छात्रों को उनका वाक्य भेद बताने को कहें।
- ❖ सुनिश्चित करें सभी छात्र भली-भाँति विषय समझ गए हैं।
- ❖ 'अब तक हमने सीखा' द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ।